

**BOREWELL NATURAL RECHARGE BY SOIL WATER SOAKING (NON-CONCRETE BASE)**





# GOVT ARTS & COMMERCE GIRLS COLLEGE RAIPUR

Email ID: [artcommerce.college@gmail.com](mailto:artcommerce.college@gmail.com)

Website: <http://govtgirlscollegedevendranagar.ac.in/>

Contact: +917714240354

## Criteria-7 Institutional Values and Best Practices

Metric No.	7.1 Institutional Values and Social Responsibilities	Documents enclosed
7.1.4	7.1.4 Water conservation facilities available in the Institution	<ul style="list-style-type: none"><li>• Compiled document containing report on:<ul style="list-style-type: none"><li>➤ Water sources in the campus</li><li>➤ Borewell in the campus</li><li>➤ Water conservation awareness activities</li><li>➤ Maintenance of water equipment</li></ul></li></ul>

Principal  
Principal

Govt. Arts and Commerce Girls College  
Devendra Nagar, Raipur (C.G.)



# GOVT ARTS AND COMMERCE GIRLS COLLEGE DEVENDRA NAGAR RAIPUR

SAP (**SWACHHTA ACTION PLAN**) INSTITUTION  
Ministry of Human Resource Development  
Government of India

**WATER MANAGEMENT**



**PRINCIPAL AND CHAIRMAN SAP**

**Dr Ushakiran Agrawal**

**COMMITTEE MEMBER**

**Dr Kavita Sharma**

**Dr Priti Pandey**

**Dr Naresh Puri**



सत्यमेव जयते

# Certificate



*This is to certify that **Govt Arts and Commerce Girls college ,Raipur Chhattisgarh** is now a **Recognized Swachhta Action Plan Institution**. The Institution has successfully formed the Swachhta Action Plan Committee and constituted the working groups Post COVID-19 for **Sanitation & Hygiene, Waste Management, Water Management, Energy Management and Greenery** along with the observation of two environment related days to inculcate in faculty, students and community, the practices of Swachhta and Reduction, Reuse and Recycling of Resources.*

**Dr. W G Prasanna Kumar**  
**Chairman**

**Mahatma Gandhi National Council of Rural Education**  
**Department of Higher Education, Ministry of Human Resource Development**  
**Government of India**

No.:Cert.01/SAP

**PRINCIPAL**

**AND CHAIRMAN SAP**

**Dr Ushakiran Agrawal**

सनातन संस्कृति में जल व व्यवस्था को धार्मिक तथा सामाजिक कृत्य माना गया है तथा इसे राज्य धर्म के रूप में प्रतिपादित किया गया है। तुलसीदास जी रावण की लंका का अति सुंदर वर्णन करते हैं

वन ,बाग उपवन वाटिका,सर कूप वापी सोहाई

अर्थात् लंका वन बाग उपवन वापी सरोवरों से भरी हुई । यह व्यवस्था प्रजा के कल्याण हेतु ही की गई थी। जो सरसों बराबर मिट्टी भी तालाब से निकालकर बाहर फेंकता है, वह अनेक पापों से मुक्त हो, सौ वर्षों तक स्वर्ग में निवास करता है। यह इस तथ्य का द्योतक है कि हम न केवल जल को संकलित करने की बात करते हैं बल्कि उसकी व्यवस्था एवं संरक्षण की भी बात करते हैं।

वापी कूप तडागानि, उद्यानोपवनानि च।

पुनः संस्कार कर्ता च लभते मौक्तिकं फलम्॥63॥

अर्थात्-जो मनुष्य पुरानी बावड़ी, कुआँ, तालाब, बाग और उपवन-इन्हें फिर से खुदवाता या फिर से बनवाता है, उसे नये जलाशय बनवाने तथा नये बाग लगवाने का फल मिलता है। अग्नि पुराण' में राजाओं के लिए स्पष्ट निर्देश है कि यदि कोई व्यक्ति जलाशय या देवमंदिर को नष्ट करता है तो राजा उसे 'मृत्युदण्ड' से दण्डित करे। आज वर्तमान में भी यह सिद्धांत उतने ही सामयिक है। श्री राजेन्द्र सिंह , वॉटर मेन ऑफ इंडिया , कहते हैं चलते पानी को रुकना सीखाए , बहते पानी को चलाना सीखाए , यानी कि पानी को धरती के गर्भ में पहुंचाना जरूरी है । उसके उपयोग के विषय स्पष्टता होनी चाहिए। जल का व्यवस्थितकरण सामाजिक उत्तरदायित्व है। हमें याद रखना है कि

सुजलाम सुफलाम मलयाज शीतलाम

शस्य श्याम लाम मातरम ॥

हमारा मूल मंत्र है।





**WATER OUTLETS IN COLLEGE CAMPUS**



# Water Sources in Campus



# BORE WELL IN CAMPUS



# Rainwater Harvesting

In Professors' House

Dr Ravi Sharma



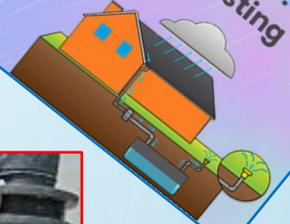
Dr Naresh Puri



# Rainwater Harvesting

## In Students' House

Water Conservation:  
Rainwater Harvesting



# Fixing Leaky Taps In College Campus



# जल संरक्षण जागरूकता

WATER &  
ITS IMPORTANCE



## Shivangi Sing Thakur BSc III Maths

नदी

नदी को बोलने दो  
डाढ़ स्वरो के खोलने दो  
उसकी नीरव निस्तब्धता  
रक स्वतरे का संकेत है  
यह इस बात की पुष्टि है  
कि नदी हुई समाप्त  
केवल शेष रह गई रेत है  
बहती हुई नदी  
जीवन का प्रमाण है  
राष्ट्र के गौरव-गाथा की पहचान है  
यह उर्वरता और जीवन  
पदान करती है  
शुद्ध फल सहकर  
दूसरों का कण्ट हुरती है  
यह जीवनदायिनी है  
इसे अपने दुष्कर्मी से  
न भयभीत करो  
यह नीर नहीं संचती है  
इसे नाले में न तब्दीव करो  
सारे कचरे को दिते-दिते  
वह कुद्द शक-सी गई है  
खेसा लग रहा है कि  
वह कुद्द सहम-सिमट-सी गई है  
गति इसकी कम ना होने दो  
नदी को बोलने दो

— शिवांगी सिंह ठाकुर  
B.Sc III (MATHS).

## Pratima Dubey BSc II Bio

जल जीवन का आधार है। जल न हो तो हमारे जीवन का आधार ही समाप्त हो जाय। दैनिक जीवन के कई कार्य बिना जल के संभव नहीं हैं। लेकिन धीरे-धीरे धरती पर जल की कमी होती जा रही है। साथ ही जो भी जल उपलब्ध है, वह भी काफी हद तक प्रदूषित है। जिसका इस्तेमाल खाने-पीने व फसलों में कर लोग गंभीर बीमारियों से परेशान हैं। धरती पर जीवन बचाने के लिए हमें इसके बचाव की ओर ध्यान देना पड़ेगा। जल को हमें व्यर्थ उपयोग नहीं करना चाहिए और उसे प्रदूषित होने से बचना चाहिए।

जीवन जीने के लिए जल और वह भी स्वच्छ जल बहुत ही आवश्यक है। इसके लिए हमें जल का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। कहावत है कि "बूढ़-बूढ़ से चढ़ा भरता है।" अकेली बूढ़ भले ही हमें कुछ काम की न लगे, पर जब बहुत सी बूढ़ें इकट्ठी होती हैं, तो उसका प्रयोग आपस में से होता है। अतः हमें एक-एक पानी की बूढ़ को बचना चाहिए। जितनी आवश्यकता हो उनना ही पानी लेना चाहिए और पेड़-पौधों को लगाना चाहिए। यदि बच्चों में बचपन से ही ऐसी आदत डाली जाय, तो वे भी आगे जाकर इसे आने वाली पीढ़ी को समझाएंगे और जल संरक्षण कर धरती को सुशांल यह बनाने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग देंगे।

— प्रतिमा दुबे

नदी कि कणकुल में जल है  
कृषक कि मेहनत में भी जल है  
बारिश कि जूँटों में भी जल है  
कृष्णा में हीना आँख मजल है  
सूरज कि गरमी में उड़ता जल है  
ताप्री धरती को फिर मिचता जल है  
वृक्षों की जीवन देता जल है  
फूलों को मौरख देता जल है  
फूलों के मिठारण का कारण जल है  
मानव के विकास का कारण जल है  
मनुष्य की कष्ट वही दुसकी आजकल है  
"जल संरक्षण" ही जीवन का हल है

— लीपाक्षी वर्मा  
B.Sc III<sup>rd</sup> year

## Lipakshi Verma BSc II Maths

# जल संरक्षण जागरूकता

Sneha Nagwani BSc III Maths

## Key facts about Water

- \* Key facts about our water :-
- The average adult human body is composed of 60-65 percent of water.
- The Earth has a limited amount of water. The water we have now is all we get, it is recycled over and over.
- Water is the basic demand for every food. It grows our fruits and vegetables and it is consumed by each livestock.
- Plant's life is dependent on water. Plants help of ecosystem and produce oxygen that is necessary to keep us healthy.
- 97% of all water on Earth is salt water that is not suitable for drinking. Only three percent (3%) of water in Earth is freshwater, only 0.5% is available is suitable for drinking.
- The other 2.5% of freshwater is found in glaciers, ice caps, the atmosphere, soil, or under the Earth's surface. or is too polluted for consumption.

Pratibha Bhoi BSc III Bio

- कर लो अपने मन में निश्चय, करना है जल का संरक्षण।
- जल संरक्षण है मेरा सपना, ताकि सुशाल बने भारत अपना।
- पानी को हम बचायेंगे, देश में सुशाली लायेंगे।
- जल संरक्षण है एक संकल्प, नहीं है इसका दूसरा कोई विकल्प।
- जल संरक्षण को अपना कर्तव्य बनाओ, देश की तरक्की में अपनी भूमिका निभाओ।
- अगर आज जल ना बचाओगे, तो आने वाला जल येक न पाओगे।
- जल के महत्व को समझो इसे ना करो यूँ बेकार, नहीं तो आने वाले दिनों में जल की लेकर भेगवा हाहाकार।



## Recycling water (grey, brown and black)

### What is Water Recycling?

Water recycling is reusing treated wastewater for beneficial purposes such as agricultural & landscape irrigation, industrial purposes, toilet flushing, and replenishing a ground water basin (referred to as ground water recharge).

Water is sometimes recycled and reused onsite; for example, when an industrial facility recycles water used for cooling processes. A common type of recycled water is water that has been reclaimed from municipal wastewater or sewage. The term water recycling is generally used synonymously with water reclamation and water reuse.

Recycled water can satisfy most water demands as long as it is adequately treated to ensure water quality appropriate for the use. In uses where there is a greater chance of human exposure to

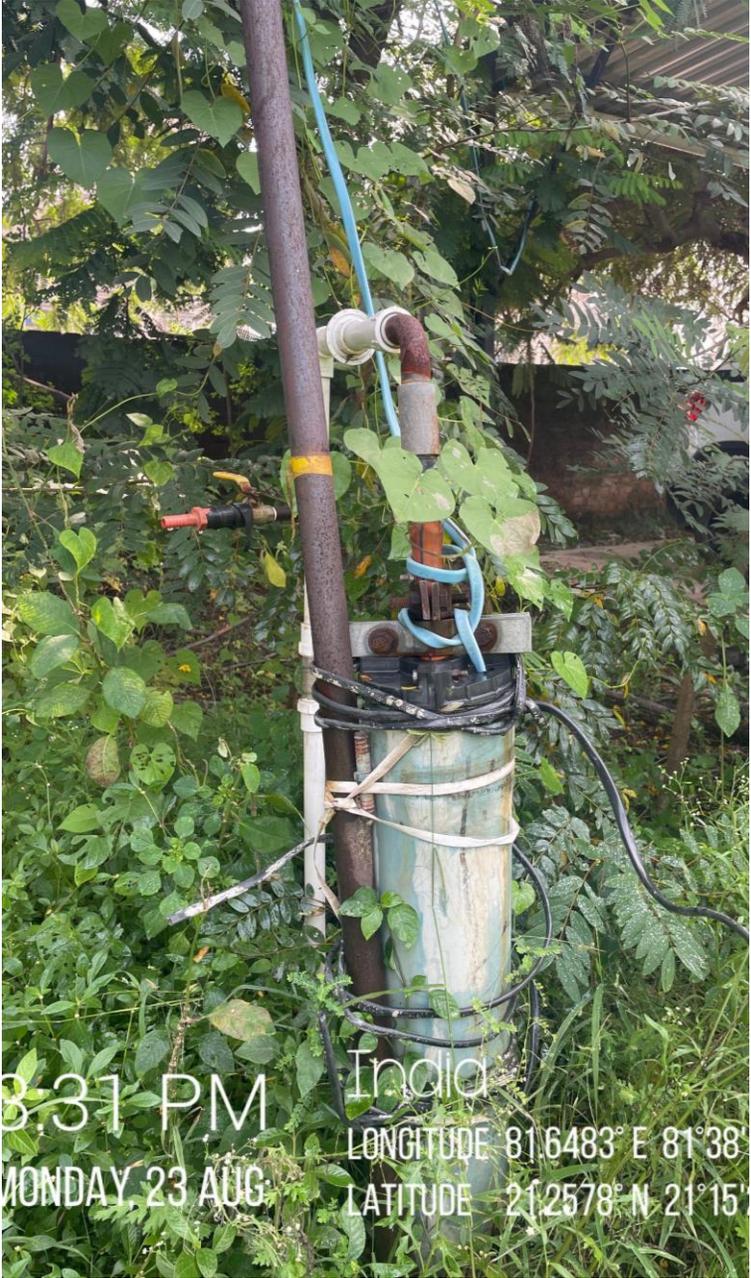
the water, more treatment is required. As for any water source that is not properly treated, health problems could arise from drinking or being exposed to recycled water if it contains disease-causing organisms or other contaminants.

Neha Philip  
BSc II Yr.



जल प्रदूषण को रोकने के कुछ अन्य तरीकों में जल का पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग भी सम्मिलित है। इससे स्वच्छ एवं मीठे जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। कम गुणवत्ता वाले जल जैसे कि गन्दे पानी को शोधित करने के पश्चात प्राप्त जल को हम विभिन्न उपयोग में ला सकते हैं। शोधित जल को हम वाहनों की धुलाई, औद्योगिक कार्यों आदि में इस्तेमाल कर सकते हैं। हमें स्वच्छ एवं मीठे जल का इस्तेमाल सिर्फ पीने के लिये करना चाहिए। वर्तमान में जल का पुनर्चक्रण सीमित मात्रा में किया जा रहा है इसीलिये हमें जल प्रदूषण को रोकने के लिये जल के पुनर्चक्रण की तकनीक को गम्भीरता से अपनाने की जरूरत है।

**BOREWELL NATURAL RECHARGE BY SOIL WATER SOAKING (NON-CONCRETE BASE)**





# RO DRINKING WATER FACILITY





**Dr. Chitra Deshpande**

**COLLEGES' NSS  
FOR  
WATER  
CONSERVATION  
& HYGIENE**



**Dr. Manisha Garg**

**NSS OFFICER**



**Dr. Anjana Vyas**



**Dr. Kalpana Jha**



**Dr. Chandrakanta Pande**